भा.वा.अ.शि.प. - वन उत्पादकता संस्थान, राँची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

प्रदर्शन ग्राम कुटाम (झारखण्ड) के अंतर्गत

"मधु कीट पालन, प्रबंधन एवं शहद उत्पादन" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

13.02.2024

स्थान:कुटाम

भावाअशिप - वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक, डॉ. अमित पाण्डेय के नेतृत्व और समूह समन्वयक अनुसंधान, डॉ. योगेश्वर मिश्र के मार्गदर्शन में संस्थान के एक दल श्री सुभाष चन्द्र, वैज्ञानिक – ई; श्रीमती रूबी सुसाना कुजूर, वैज्ञानिक, प्रभारी अधिकारी, वन विस्तार प्रभाग; श्री बी.डी. पंडित, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी; श्री अरविंद कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी एवं श्री मोहित सतपथी, एम.टी.एस के द्वारा प्रदर्शन ग्राम के अंतर्गत दिनांक 13.02.2024 को प्रदर्शन ग्राम कुटाम, तोरपा, खूंटी (झारखण्ड) में "मधु कीट पालन, प्रबंधन एवं शहद उत्पादन" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें लगभग 70 किसानों के अलावा दीनदयाल उपाध्याय ग्राम स्वावलंबन योजना के श्री तुलसी कुमार और श्री आदित्य कुमार आदि ने भाग लिया। प्रशिक्षण की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक, डॉ. अमित पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक ने कहा कि गाँव के किसानों की प्रशिक्षण में उपस्थिति ही इनकी जागरूकता का परिचायक है। किसानों के द्वारा वन उत्पादकता संस्थान के सहयोग से चल रही गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के साथ बैठक कर एक कार्य योजना बनायी जानी चाहिए, जिसमें संस्थान द्वारा लाह, बांस एवं कृषि-वानिकी के क्षेत्र में तकनीकी उपलब्धियों को ग्राम वासियों के सहयोग से क्रियान्वित की जाएगी। किसानों की प्रशिक्षण सम्बन्धी जिज्ञासा को जानकार उन्होंने निकट भविष्य में मशरूम की खेती, लाह चूड़ी निर्माण, बांस हस्तशिल्प निर्माण आदि पर प्रशिक्षण कराये जाने का आश्वासन दिया। निदेशक, डॉ. पाण्डेय ने किसानों द्वारा तैयार किए जा रहे केंचुआ खाद का निरिक्षण किया एवं उनके लगन की सराहन की। संस्थान द्वारा श्री बंधन डोडराय एवं श्री निकोदीन डोडराय को एक-एक मधु कीट सहित बक्सा दिया गया।

श्री बी.डी. पंडित के द्वारा कार्यक्रम परिचय, संचालन एवं कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। श्री सुभाष चन्द्र, वैज्ञानिक – ई ने मधु कीट पालन के तकनीक, मधु निष्कर्षण तकनीक, मधु कीट के जीवन चक्र, उत्पादन का आर्थिक विश्लेषण आदि की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रत्येक बक्सा से सलाना लगभग 20 किलो शहद उत्पादन किया जा सकता है। बक्से के आस-पास साफ–सफाई और फूलों की कमी होने पर इनके स्थानान्तरण की आवश्यकता के विषय में बताया। निदेशक एवं अन्य अधिकारियों ने ग्रामवासी, श्री हेरेन पूर्ति द्वारा निर्मित शहद निष्कर्षण यंत्र को देख कर उनकी सराहन की। श्री अरविंद कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्रदर्शन ग्राम कुटाम में भागीदारी की झलकियां

रांची-गुमला NH-23, लालगुटवा, रांची - 835 303
(झारखंड)

प्रदर्शन ग्राम कुटाम (झारखण्ड) के अंतर्गत “मधु कीट पालन, प्रबंधन एवं शहद उत्पादन” विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

दिनांक : 13.02.2024

भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान, रांची